Literacy for a Billion

Movie: Sargam
Year: 1979

Song: Parbat Ke Is Paar
Lyricist: Anand Bakshi

पर्वत के इस पार
पर्वत के उस पार
गूँज उठी छम छम छम छम
मेरी पायल की झनकार
गूँज उठी छनन छनन
मेरी पायल की झनकार

पर्वत के इस पार
पर्वत के उस पार
गूँज उठी छम छम छम छम
मेरी पायल की झनकार
मुख पे पड़ी थी
कब से चुप की एक जंजीर
मुख पे पड़ी थी
कब से चुप की एक जंजीर
मंदिर में चुपचाप खड़ी थी
मैं बन के तस्वीर
आ चल गा मैं साथ हूँ तेरे
छेड़ दिए हैं सरस्वती देवी ने
तार सितार

पर्वत के इस पार
पर्वत के उस पार
गूँज उठी छम छम छम छम
तेरी पायल की झनकार

गम इक चिट्ठी
जिस में खुशियों का संदेश
गम इक चिट्ठी
जिस में खुशियों का संदेश
गीत तभी मन से उठता है
जब लगती है ठेस
आ चल गा मैं साथ हूँ तेरे
लय न टूटे ताल न छूटे
छूटे ये संसार

पर्वत के इस पार
पर्वत के उस पार
गूँज उठी छम छम छम छम
तेरी पायल की झनकार
फूल बने हैं घुँघरू
घुँघरू बन गए फूल
फूल बने हैं घुँघरू
घुँघरू बन गए फूल
टूट के पाँव में सब कलियाँ
बिछ गई बनकर धूल
ताथैया ताथैया देखो कौन सी
नाच उठी है
मेरे अंग संग मस्त बहार

पर्वत के इस पार

पर्वत के उस पार
गूँज उठी छम छम छम छम
मेरी पायल की झनकार

गूँज उठी छनन छनन
मेरी पायल की झनकार

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.